आधुनिक उदारवाद - सकारात्मक उदारवाद Modern liberalism

के उदय का कारण था की अभिजात वर्ग यानि अमीरों का तो कल्याण होगया था मगर किसानों - गरीबों की स्थिती में बदलाव नहीं हुआ था। मार्क्सवादी एवं समाजवादियों ने उदारवाद का विरोध किया क्योंकि मजदूरों की स्थितीदयनीय हो गई थी। उदारवाद में अब कल्याणकारी राज्य का समर्थन किया गया ताकी मजदूरों की स्थिती सुधरे। तात्विक स्वतंत्र (Substantive Liberty) दी गई यानी की गरीबों को स्वास्थ्य, शिक्षा और काम का अधिकार दिया गया। गरीबों के लिए सरकार व्यवस्था करता है राज्य को अब आर्थिक क्षेत्र में हस्तक्षेप का अधिकार देता है।

नव - उदारवाद (Neo - Liberalism)

नव - उदारवाद को भारत, अमेरीका और ब्रिटेन में खूब बढ़ावा मिला 1980 में (भारत 1990) में

नव उदारवाद कल्याणकारी राज्य का विरोध करता है वह मानता है की इससे आर्थिक विकास में बाधा होती है आलसी लोगों पर मेहनती और कार्य करने वाले लोगों का पैसा नही खर्च करना चाहिए जो की राज्य इन लोगों से कर के रूप में लेता है गरीबों के कल्याण के लिए धनवानों पर टैक्स लगाना सही नहीं है समाजवादी वाले देश में कल्याणकारी व्यवस्था की वजह से काफी आर्थिक संकट देखने को मिला जिस वजह से नवउदारवाद को उभरने का काफी मौका मिला।

इसी विचारधारा से प्रभावित होकर भारत ने 1991 में नई आर्थिक ~~नीति~~ नीति को अपनाया।